ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर

वर्ष 97 अंक 21 पृष्ठ 18 मूल्य ₹5/- अगस्त प्रथम प्रकाशन 05 अगस्त से 20 अगस्त, 2023

योगगुरु स्वामी रामदेव जी महाराज को आर्य महासम्मेलन में आमंत्रित करते हुए (बॉए से– आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष जयसिंह गहलोत, सभा मंत्री पं. जीव वर्धन शास्त्री एवं वेदप्रचार अधिष्ठाता डॉ मोक्षराज)

आर्य महासम्मेलन की तैयारियाँ परवान चढ़ रही है

सम्मेलन प्रबंधन में अनुभवी आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य युवक परिषद दिल्ली के वरिष्ठ ऋषिभक्तो ने आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के राजापार्क स्थित कार्यालय में पहुँच कर अपने मूल्यवान सुझावों से लाभांन्वित किया । चर्चा में भागीदार रहे श्रीचंद गुप्ता, नरदेव आर्य, राकेश चड्ढा, डॉ. मोक्षराज, बृहस्पति आर्य, जीव वर्धन शास्त्री, सतीश चड्ढा, अशोक कुमार शर्मा, सुखवीर आर्य, डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, डॉ. मुकेश आर्य, सत्यवीर डागुर एवं सुखलाल आर्य आदि।

आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए आर्यवीर दल का आह्वान करते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री जीव वर्धन शास्त्री एवं बाएँ से डॉ. विश्वास पारीक, आचार्य ओम्प्रकाश आर्य, सेवाध्यक्ष– मनोज राजपुरोहित , प्रांतीय संचालक भवदेव शास्त्री, दशरथ आर्य, प्रांतीय मंत्री राजूराम गोदारा एवं अन्य

उदयपुर में आयोजित बैठक में आर्यवीर दल को सम्बोधित करते हुए प्रांतीय मंत्री राजूराम गोदारा एवं आर्यवीर दल के पदाधिकारी एवं शिक्षकगण आर्य सम्मेलन के लिए विमर्श करते हुए

आर्यसमाज तिजारा के प्रधान रामनिवास आर्य को निमंत्रण पत्र देते हुए सभा मंत्री जीव वर्धन शास्त्री, डॉ. मोक्षराज एवं डॉ. सुधीर शर्मा

आर्यसमाज लाडनू में पूज्य ओम् मुनि वानप्रस्थी आदि को निमंत्रण पत्र देते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के वेदप्रचार अधिष्ठाता डॉ मोक्षराज, उप प्रधान अशोक आर्य, कोषाध्यक्ष जयसिंह गहलोत एवं यशमुनि जी आदि।

आर. एन. आई. नं. 10471/60

ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राज. का मुखपत्र

श्रावण, कृष्णपक्ष, तृतीया, सम्वत् 2080, कलि सम्वत् 5124, दयानन्दाब्द 199, सृष्टि सम्वत् 01,96,08,53,124

संरक्षक

1. डॉ. रमेशचन्द गुप्ता, अमेरिका
2. श्री दीनदयाल गुप्त (डॉलर फाउन्डेशन)

प्रेरणा स्रोत

1. श्री विजयसिंह भाटी
2. श्री जयसिंह गहलोत

सम्पादक

1. श्री जीव वर्धन शास्त्री

परामर्शक

1. डॉ. मोक्षराज

सम्पादक मण्डल

1. डॉ. सुधीर कुमार शर्मा
2. श्री अशोक कुमार शर्मा
3. डॉ. सन्दीपन कुमार आर्य
4. श्री नरदेव आर्य
5. श्री बलवन्त निडर
6. श्री ओमप्रकाश आर्य

आर्य मार्तण्ड

वार्षिक सदस्यता शुल्क	–	रु. 100/–
पाक्षिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 2100/–
मासिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 5100/–
षाण्मासिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 11000/–
वार्षिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 21000/–

प्रकाशक

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क,

जयपुर – 302004

0141–2621879, 9314032161

e-mail : aryapratinidhisabhrajasthan@gmail.com

मुद्रण : दिनांक 04.08.2023

दृष्ट्वा रूपे व्याकरोत् सत्यानृते प्रजापतिः।
अश्रद्धामनृतेऽदधाच्छ्रद्धां सत्ये प्रजापतिः।।

विषयानुक्रम

– यह चिट्ठी आपके लिए... 04

– निःशुल्क योग शिविर 05

– निःशुल्क यज्ञ प्रशिक्षण शिविर 05

– कार्यकर्ता कार्यशाला 05

– दान – अपील 11

– बरेली में आर्यसमाज का उद्भव 12

– विविध 15

– छद्म लोगों से सावधान 18

आर्य मार्तण्ड पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेखों में व्यक्त विचार सम्बन्धित लेखक के हैं। सम्पादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी प्रतिवाद हेतु न्याय क्षेत्र जयपुर ही होगा। आपत्ति की अवधि प्रकाशन तिथि से एक माह के भीतर ही मानी जायेगी।

दि राजस्थान स्टेट को–ऑपरेटिव बैंक लि.
खाता धारक का नामः–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर
खाता संख्या :– **10008101110072004**
IFSC Code :- RSCB0000008
सभा को दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।
AAHAA5823D/08/2020-21/S-008/80G

प्रकाशक एवं मुद्रक श्री जीव वर्धन शास्त्री ने स्वामी आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क जयपुर की ओर से वी.के. प्रिन्टर्स सुदर्शनपुरा जयपुर से आर्य मार्तण्ड पत्रिका मुद्रित कराई और आर्य प्रतिनिधि सभा राजापार्क जयुपर से प्रकाशित सम्पादक– **श्री जीव वर्धन शास्त्री–मन्त्री, आर्य प्रतिनिधि सभा**

यह चिट्ठी आपके लिए...

आदरणीय आर्यों!

नमस्ते! आशा करता हूँ स्वस्थ सानंद हांगे।

जैसा कि आप सभी को ज्ञात है हम अपने प्यारे ऋषि स्वामी दयानन्द की 200वीं जयन्ती मना रहे हैं। ऋषि के जन्म की यह दूसरी शताब्दी विश्वभर में समारोहपूर्वक मनना इस बात का संकेत है कि आर्यों का हृदय आज भी अपने गुरु के लिए समान रूप से धड़क रहा है। यह भी देख रहा हूँ कि जिन आर्यों के मन नहीं मिलते, जो अलग–अलग खेमे बनाकर अपने स्वार्थ व अहंकार में जीते हैं, वे भी ऋषि से प्रेम व श्रद्धा के परिणामस्वरूप बड़े–बड़े आयोजन कर रहे हैं। हम राजस्थान में लगभग 40 वर्ष बाद एक प्रान्त स्तरीय विशाल आयोजन करने जा रहे हैं, ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि यह समारोह ऐतिहासिक सिद्ध हो।

भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्रभाई मोदी द्वारा विश्वव्यापी समारोह का शुभारम्भ करना, भारत के गृहमन्त्री श्री अमित शाह द्वारा आर्यसमाज स्थापना दिवस पर महर्षि के प्रति अमूल्य भाव प्रकट करना भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, विश्व प्रसिद्ध योगगुरु स्वामी रामदेव एवं स्वामी चिदानन्द सरस्वती तथा संचार राज्य मन्त्री देवूसिंह चौहान द्वारा महर्षि की 200वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में डाक टिकिट विमोचन करना सम्पूर्ण आर्यजगत् के लिए गौरव की बात है।

इसी क्रम में आर्यप्रतिनिधि सभा, अमेरिका द्वारा ह्यूस्टन में, ऑस्ट्रेलिया के आर्यों द्वारा ऑस्ट्रेलिया में, और आर्य सभा मॉरीशस में भी आर्य महासम्मेलन हो चुके हैं तथा सितम्बर माह के द्वितीय सप्ताह में अफ्रीका में विशाल सम्मेलन हो रहा है।

इसी कड़ी में उत्तरप्रदेश, हरियाणा में भी विशाल आयोजन हो चुके हैं। कुछ माह पूर्व हमारे ही आर्य भाइयों ने जोधपुर एवं उदयपुर में भी भव्य आयोजन किए हैं।

मुझे सब ओर आर्यों का उत्साह एवं महर्षि के प्रति श्रद्धा का समन्दर हिलोरें लेता हुआ दिखाई दे रहा है।

मेरे आदरणीय भाई–बहिनों! आपसे प्रार्थना है, इस बार राजस्थान की राजधानी में होने वाले इस महासम्मेलन को ऐतिहासिकता एवं भव्यता प्रदान करें।

सभा आपके द्वारे आकर पीले चावल बाँट रही है, विनम्रतापूर्वक आमन्त्रण दे रही है, ऐसे में आप न केवल अपनी व परिजनो की उपस्थिति से समारोह की सफलता के हस्ताक्षर बनें बल्कि यज्ञोपवीत संस्कार, 200 कुण्डीय यज्ञ, आर्यप्रचारक दीक्षा जैसे विभिन्न रचनात्मक आयोजनों में भाग लेने की पुख्ता योजना बनाएँ।

हमें विश्वास है, इस महासम्मेलन में जहाँ कई देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित होने वहीं देश–विदेश के शीर्षस्थ लोगों में से स्वामी रामदेव महाराज, राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, गुजरात के राज्यपाल श्री देवव्रत आचार्य, पद्मश्री डॉ. सुकामा जी, अमेरिका के डॉ. रमेशचंद गुप्ता आदि अनेक दिग्गज महानुभावों को आमन्त्रित किया गया है तथा अनेक विभूतियों के निमन्त्रण भेजे जा रहे हैं।

प्रिय पाठको! आपको आश्चर्य या प्रसन्नता होगी कि हम अपने रूठे हुओं व विरोध करने वाले भोले–भले एवं भूले–भटके लोगों को भी आमन्त्रण भेज रहे हैं। हमें यह ज्ञात है कि कुछ लोग अपने आध्यात्मिक आवेगों पर नियन्त्रण के अभाव में ऋषि वाटिका को पोषण नहीं दे पाते है, तद्पि हम अपना सद्वृत्त नहीं त्याग सकते।

मित्रो! यदि आप इस बार के विलक्षण महासम्मेलन में तन–मन–धन या प्रेरणा का सहयोग करना चाहें तो नियमित रूप से हमारे भावना सूचक संकुल से जुड़े रहें, आर्यमार्तण्ड की हर पंक्ति पढ़ते रहें।

पुनः आप सभी से विनीत प्रार्थना है आर्यमहासम्मेलन के लिए बस/रेल/वायुयान का टिकिट अवश्य करा लें..... और यदि आप कार्यकर्त्ता कार्यशाला में आ सकें तो, यह आपकी कर्मनिष्ठा के लिए महत्त्वपूर्ण सोपान सिद्ध होगा।

आप आ रहे हैं न.....! **स्वस्ति पन्थामनुचरेम।**

भवदीय– डॉ. मोक्षराज, वेद प्रचार अधिष्ठाता

निःशुल्क योग शिविर

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योगगुरु, हमारे अनन्त सहयोगी, ऋषिभक्त, डॉ. मोक्षराज जी के सान्निध्य में आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान एवं आर्यसमाज आदर्शनगर, राजापार्क के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय आवासीय शिविर में आप सभी सादर आमन्त्रित हैं।

शिविर दिनांक 9–13 अगस्त 2023

– इस शिविर में योगाभ्यास, स्वाध्याय एवं सेवा कार्य प्रशिक्षण दिया जाएगा।
– जयपुर के स्थानीय लोगों को रात्रि में घर जाने की छुट रहेगी।
– शिविर में उत्तम स्वास्थ्य एवं रोगानुसार योगासन, प्राणायाम तथा आत्मोन्नति के लिए ध्यान का अभ्यास कराया जायेगा।
– स्वाध्याय के अन्तर्गत योगदर्शन, ईशोपनिषद्, श्रीमद्भगवद्गीता आदि का अध्ययन कराया जाएगा।

मन्त्री– आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान।

वैदिक यज्ञ–प्रशिक्षण–शिविर

दिनांक 11–12 अगस्त 2023

शिविर स्थल– आर्यसमाज आदर्शनगर, जयपुर

कृपया आने की सूचना प्रदान करें।

निवेदक– डॉ. मोक्षराज, वेदप्रचार अधिष्ठाता, राजस्थान 8696429696

आर्य सम्मेलन में सेवा देने वाले कार्यकर्त्ताओं के लिए आयोजित विशेष कार्यशाला में प्रत्येक जिले से 5–50 कार्यकर्त्ता भाग लें।

दिनांक 12–13 अगस्त 2023

स्थान–आर्यसमाज आदर्शनगर, राजापार्क, जयपुर।

निवेदक

प्रधान – मन्त्री

आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान – 820937906

आर्यसमाज कंधकोट, पाकिस्तान में वैदिक धर्म का प्रचार करते हुए आर्यविद्वान् ।

मप्र में 35 मुस्लिम परिवार बने सनातनी

नईदुनिया, देवासः मध्य प्रदेश में देवास जिले के अंतिम छोर पर स्थित नर्मदा नदी के तट पर सिद्धक्षेत्र नेमावर में 35 मुस्लिम परिवारों के 190 लोगों ने संत समाज की उपस्थिति में सनातन धर्म में वापसी की। इन लोगों ने नर्मदा स्नान, मुंडन, हवन कर यज्ञोपवीत धारण किया। चार पीढ़ी पहले इन लोगों के पूर्वज मतांतरित होकर मुस्लिम हो गए थे। इसके बावजूद ये लोग कुलदेवी चामुंडा मां को ही मानते थे। घरों में कुलदेवी का पूजन होता था। सनातन परंपरानुसार विवाह आदि की रस्में संपन्न करते थे। जामनेर में रह ये लोग मदारी का काम करते थे। इनके परिवारों की नई पीढ़ी ने पूजा-अर्चना की परंपरा देख संत समाज से घर वापसी के लिए सहयोग मांगा था।

घर वापसी पर मोहम्मद शाह (अब परिवर्तित नाम राम सिंह) ने कहा कि उनके पूर्वज भले ही परिस्थितिवश मुस्लिम हो गए थे, पर हमारे रक्त में सनातनी संस्कार ही प्रवाहित हो रहे हैं। संत आनंदगिरि महाराज ने बताया कि ये लोग मूलरूप से रतलाम जिले के आंबा गांव के निवासी हैं। इनके पूर्वज सनातनी थे। चार वर्ष पूर्व इनके परिवार के लोगों ने घर वापसी के लिए संपर्क किया था। घर वापसी करने वालों ने कहा कि मतांतरण के बावजूद परिवार ने सनातनी संस्कृति अपनाए रखी। कुलदेवी की पूजा करते रहे। इससे मुस्लिम समाज हम लोगों को उपेक्षित भी करता था। ऐसे में वहां बहुत घुटन महसूस होती थी।

इतिहासकार दिलीप सिंह जाधव कहते हैं कि करीब दो सौ साल पहले भी इस क्षेत्र में मुस्लिम जमींदारों का वर्चस्व था। उस समय घुमंतू जातियों के तमाम लोगों को जबरिया मतांतरित कराया गया था। फिर भी अपने कुल देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करते रहे हैं। देवास की माता टेकरी पर तुलजा भवानी और चामुंडा माता विराजित हैं। तब देवास से तीन-चार सौ किलोमीटर की परिधि के लोग कुलदेवी के रूप में चामुंडा माता की पूजा करते थे।

देवास के नेमावर स्थित नर्मदा नदी में किया स्नान। मुंडन भी करवाया ● इंटरनेट मीडिया

खंडवा में भी आदिल पठान बने आदित्य आर्य

खंडवा शहर के महादेवगढ़ मंदिर में मुस्लिम युवक आदिल पठान (अब आदित्य आर्य) ने भी सनातन धर्म अपनाया है। इसके लिए उन्होंने अपना मुंडन करवाया। विधि -विधान से पूजा और हवन करते हुए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। रामनगर निवासी आदिल ने महादेवगढ़ मंदिर के संरक्षक अशोक पालीवाल के समक्ष घर वापसी की इच्छा जताई।

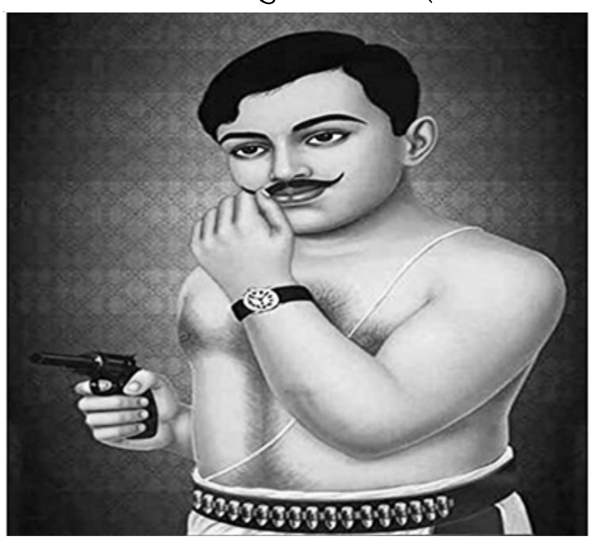

हाथ में पिस्टल, सीने पर जनेऊ
और मूछों पर ताव था,
गुलाम भारत में वो इकलौता आजाद था!
अमर पंडित चंद्रशेखर आज़ाद को जन्मदिवस पर शत शत नमन

आर्यसमाज गजनेर, बीकानेर में हवन कराते हुए स्वामी देवानंद सरस्वती तथा यज्ञ करते हुए ओम्प्रकाश गोदारा एवं गोवर्धन सिंह चौधरी एवं अन्य

कन्या गुरुकुल भुसावर, भरतपुर की ब्रह्मचारिणियॉ संध्या हवन करते हुए

अलवर –आर्य पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मालवीय नगर में विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए इन्वेस्टीचर सेरेमनी के आयोजन में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को हाउस कैप्टन वाइस कैप्टन प्रीफेक्ट आदि चयन किया गया द्य

इको क्लब के उद्घाटन के अवसर पर प्रिंसिपल श्रीमती नंदिनी जैन द्वारा पर्यावरण संरक्षण पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया एवं पॉलिथीन प्रयोग ना करने का संदेश दियाद्य

राजस्थान के चूरु जिले का शार्दूलपुर हनुमानगढ़ रेल मार्ग पर एक प्राचीन कस्बा है, सिधमुख। यहाँ के लिए यातायात और अन्य साधनों का नितांत अभाव रहा। सर्वसुलभ साधन एक रेल ही है तथा अन्य ग्रामों जैसा परिवेश इस ग्राम का भी रहा ।

नाना प्रकार के देवी देवता बहुविध पूजा पद्धति, झाड़—फूँक टोना—टोटका आदि का साम्राज्य रहा। उसी कस्बे के निवासी श्री बेगराज जी के पुत्र के रूप में श्री विनोद गेदर का जन्म हुआ। उसी परिवेश में उनका बचपन बीता और युवावस्था में परिवार और उनकी जिम्मेदारियों के बीच यू ट्यूब पर आर्य समाज के किसी कार्यक्रम को देख कर पूर्वजन्म के संस्कारो का उदय हुआ । पुनः जन्म विनोद आर्य के रूप में । आपने प्रबल रूप में सत्य सनातन वैदिक धर्म को अंगीकार कर अपने परिवार को बदला ।

मार्ग से भटके युवाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया, स्वाध्याय के बल पर उनके लिए योग अभ्यास अध्यात्म आदि का संचार कर परिवर्तन की बयार बहा दी । स्वयं के व्यय पर बहुत उत्तम सत्यकीर्ति यज्ञ शाला का निर्माण किया । जो अपने आप में सम्पूर्ण संस्था है । आप भी चलित संस्था के रूप में सदैव तत्पर रहते हैं।

किसी प्रकार मुझे आपका सानिध्य प्राप्त हुआ और आपने सारी अवधारणाओं का प्रबलता से विरोध कर एक बाल्मीकि परिवार में मुझे यज्ञ करने के लिए आमंत्रित किया । आपके वैदिक धर्मनिष्ठ परिवार और आपकी सेवा ने अभिभूत किया ।निश्चय ही आप एक अतुलनीय उदाहरण हैं। अपनी जीविका से आपने वैदिक कृषि को बढ़ाने के लिए किसान सदन का निर्माण किया है, जिसके उद्घाटन के अवसर पर मेरा पुनः आगमन सिधमुख में हुआ और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। देवी तुल्य अतिथि सत्कार में निपुण धर्म पत्नी श्रीमती सुनीता जी पुत्र—विशुवास, कुलशेखर, पुत्रियाँ— खुशी और विशु भारती को अल्प आयु में मंत्रोच्चार से लेकर सामान्य व्यवहार ने मुझे बाध्य किया कि ऐसे महामना का परिचय आर्य समाज से करवाया जाए।

आनंद मोहन आर्य

उप प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

आर्य समाज रावतभाटा के तत्वावधान में महात्मा गॉधी राजकीय विद्यालय झालरबावडी चारभुजा में कक्षा एक से पाँच तक के 150 जरूरतमंद छात्र/ छात्राओं को पाठ्यसामग्री वितरित की गई। कुल 450 कापियाँ, 150 रबरयुक्त पेंसिल राजस्थान परमाणु बिजली घर के अखिलेश कुमार और मंजुल मयंक के सौजन्य से प्रदान किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या कलिका जैन ने अखिलेश कुमार और मंजुल मयंक का इस सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। आर्यसमाज के मंत्री ओम प्रकाश आर्य ने विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र का उच्चारण करवाया और अपने माता–पिता, शिक्षक, बडों को अभिवादन करने की सीख दी। प्रधान विनोद कुमार त्यागी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका–नियति व्यास, ललिता वधवा, शोभाराम मीणा, कमलेश धाकड़, हेमराज मीणा, ममता मीणा, आशा शर्मा, कृष्णा गुप्ता, मकसूद अली, रविकला चतुर्वेदी, सुरेन्द्र यादव, रविकान्त मीणा, शिप्रा त्रिपाठी, सोनू जैन, मधुबाला मलेठिया , सुनीता व्यास, हेमंत मीणा, राधिका नागर, नरेंद्र मीणा, गजेंद्र कुमार, एकता मीणा, जयमाला मीणा, अंतिमा जैन, धनवंती निहलानी, सीमा नागर, शोभा नामदेव उपस्थित रहे। अखिलेश कुमार और मंजुल मयंक ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। बच्चे बहुत खुश हुए।

लालगढ़ जाटान के नये प्रधान का सर्वसम्मति से मनोनयन

सुप्त अवस्था में पड़े हुए आर्य समाज श्रीकरणपुर के बाद आर्य समाज लालगढ़ जाटान का उद्धार

महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास जोधपुर के आजीवन न्यासी और वेदिक प्रवक्ता आचार्य वरुण देव जी द्वारा वेद वाटिका जयपुर में चार दिवसीय यज्ञ प्रशिक्षण वेद स्वाध्याय शिविर में अपना उद्‌बोधन देते हुए।

समान नागरिक संहिता कानून का आर्य उप प्रतिनिधि सभा ने समर्थन किया

भरतपुर। जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा में समान नागरिक संहिता कानून का समर्थन किया गया। राज्य आर्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह आर्य द्वारा समान नागरिक संहिता कानून के समर्थन में जन्तर मंतर दिल्ली में धरना देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन दिया। जिला प्रधान सत्यदेव आर्य की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधि मण्डल राज्य आर्य सभा के नेतृत्व में मंत्री मानसिंह आर्य, ओमप्रकाश आर्य समाज कंजौली के पदम सिंह ने भाग लिया व समान नागरिकता कानून का समर्थन किया।

वनवासियों के जबरिया कन्वर्जन के मामले में पहली सजा

3 आरोपियों को 2–2 वर्ष कारावास

झाबुआ सत्र न्यायालय ने 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया

स्वदेश समाचार ■ झाबुआ

जनजातीय बहुल झाबुआ जिले में प्रलोभन देकर चर्चन मिशनरी द्वारा जबरिया कन्वर्जन कराने के एक मामले में सत्र न्यायालय ने 3 आरोपियों को दो-दो साल की सश्रम की सजा के साथ 50 हजार का अर्थदंड भी आरोपित किया है। लालच के जरिये वनवासियों को ईसाई बनाने के एक प्रकरण में सत्र न्यायाधीश लखनलाल गर्ग ने फैसला दिया है। इस फैसले के बाद यह प्रमाणित हो गया है कि आदिवासी बहुल झाबुआ जिले में प्रभाव और दबाव के जरिये मिशनरियों द्वारा कन्वर्जन का खेल खेला जा रहा है।

सामूहिक सभा में की थी ईसाई बनाने की बात– ग्राम बिसौली में 26 दिसम्बर 2021 को सुबह 8 बजे रविवार को सामूहिक सभा कर आदिवासी जाति के लोगों का धर्मांतरण करने से जुड़ा मामला सामने आया था। इस मामले में आवेदक टेटिया पिता हुरू बारिया ने पुलिस थाना कल्याणपुरा में ग्राम में कुछ लोगों पर अवैध रूप से प्रलोभन और दबाव बनाकर धर्मांतरण करने की शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें फादर जामसिंह पिता जोगड़िया डिंडारे निवासी बिसौली, मंगु पिता मेहताब भूरिया निवासी मोकमपुरा, पोस्टीर अनसिंह पिता गलिया निनामा ग्राम बिसौली पर अवैध रूप से धर्मांतरण कराने का आरोप लगा था।

लोक अभियोजन मानसिंह भूरिया ने बताया कि प्रकरण क्रमांक 10/2022 में दिनांक 19 जुलाई को पारित निर्णय में ग्राम बिसौली के जामसिंह पिता जोगड़िया (क्रिश्चयन) अनसिंह पिता गलिया (क्रिश्चयन) तथा मंगू पिता मेहताब (क्रिश्चयन) को धार्मिक स्वतंत्रता अध्यादेश 2020 (विधेयक 2021) की धारा-5 के अपराध का दोषी करार दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धर्मान्तरण पर सजा

जनजातीय बहुल झाबुआ जिले मे प्रलोभन व दबाव के द्वारा नागरिकों को कन्वर्ट कर ईसाई बनाने के एक प्रकरण में मिशनरी से जुड़े 3 लोगो पर आरोप सिद्ध हुए है

MP के बहुचर्चित धर्म स्वतंत्रता कानून के तहत तीनो को 2–2 वर्ष की जेल और 50 –50 हजार के अर्थदंड की सजा मिली है

जनजातीय बहुल झाबुआ जिले में प्रलोभन व दबाव के द्वारा नागरिकों को धर्मांतरित कर ईसाई बनाने के एक प्रकरण में मिशनरी से जुड़े 3 लोगों पर आरोप सिद्ध हुए हे।

मध्यप्रदेश के बहुचर्चित धर्म स्वतंत्रता कानून के तहत तीनों को 2–2 वर्ष की जेल और 50 –50 हजार के अर्थदंड की सजा मिली है।

जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।

बूँद–बूँद से घड़ा भरता है।

पूज्य आर्यो! नमस्ते।

सभी जानते हैं कि हमें छोटे–छोटे पारिवारिक आयोजन करने में धन के व्यय के लिए चिंता हो जाती है... और यह तो आर्यों का महाकुंभ है।

आप समझ सकते हैं कि इस आर्य महासम्मेलन में भूरिशः धन व्यय होगा ।

एक अनुमान के अनुसार लगभग 2.50 करोड़ रुपये का व्यय होना संभावित है। एतदर्थ हमने किसी प्रकार के आर्थिक सहयोग के लिए याचना नहीं की थी, पुनरपि सुधीजनों द्वारा दान के घट को भरना आरम्भ कर दिया है–

१. न्यायमूर्ति श्री सज्जन सिंह कोठारी, पूर्व लोकायुक्त – 51,000
(आपने यथावसर और राशि देने के लिए पुनीत वचन भी कहे हैं)
२. श्री जयसिंह गहलोत, जोधपुर – 2,00,000 रुपये
३. श्री किशन लाल गहलोत, जोधपुर – 50000 रुपये
४. श्री देवराज सिंह, उदयपुर – 1,00,000 रुपये

हम आप सभी के आभारी हैं ।

कोषाध्यक्ष – आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

ध्यातव्य है कि–

आप द्वारा दिया हुआ पवित्र दान G–80 के अंतर्गत आयकर में छूट दिलाता है । अतः सम्पन्न महानुभावों एवं समृद्ध आर्यसमाजों से प्रार्थना है, कृपया आर्थिक सहयोग के लिए आगे आएँ।

विनीत – जयसिंह गहलोत

Arya Pratinidhi Sabha Rajasthan] Jaipur
Acct- 10008101110072004
The Rajasthan State Co&operative Bank
IFSC RSCB0000008

बरेली में आर्यसमाज का उद्भव एवं आर्यविभूतियाँ

–आचार्य (डॉ.) श्वेतकेतु शर्मा

पिछले अंक का शेष भाग......

(11) डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी– बरेली को गौरवान्वित करने वाली साहित्य भूषण पुरस्कार से अलंकृत डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी मीरगंज महाविद्यालय में हिन्दी की प्रोफेसर पद से सेवानिवृत थी, हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी तीनों भाषाओं पर समान अधिकार था, तीनों भाषाओं में आपने अनेकों साहित्यिक पुस्तकों की रचना की थी, लेखिका, कवियत्री, चिंन्तक, विचारक थी, आर्यसमाज के मंचों से आपके वेदों पर व्याख्यान से जन सामान्य को प्रभावित करने वाले होते थे, आपने विश्व के अनेक देशों में हिन्दी व वेदों का प्रचार किया था, विश्व हिन्दी सम्मेलन में आपने भारत देश का प्रतिनिधित्व भी किया था। आपने हिन्दी के अतरिक्त ऋग्वेद व अथर्ववेद का रहस्य पुस्तकें भी लिखी थी। आप आर्य विद्वान् आचार्य रमेशचन्द पाठक की पुत्री थी।

(12) आचार्य (डॉ.) सुरेन्द्र शर्मा शास्त्री– वेदवेदांगों व आयुर्वेद के प्रकाण्ड पण्डित आचार्य डॉ. सुरेन्द्र शर्मा का वाल्यावस्था का जीवन आर्य समाज भूड, बरेली की संस्कृत पाठशाला में प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने में बीता था, यह वह समय था जब स्वतन्त्रता आन्दोलन चरमसीमा पर था, बहुत छोटी अवस्था में स्वतन्त्रता आन्दोलन में आपकी सक्रिय भूमिका रही, आर्यसमाज के क्रान्तिकारियों के साथ रहना, जेल में भोजन पहुंचाना आपका प्रमुख कार्य था, आप आर्यसमाज भूड में रहते हुये वैदिक सिद्धान्तों में अटूट निष्ठावान् थे, भूड आर्यसमाज संस्कृत पाठशाला की शिक्षा पूर्ण होने के बाद आपने आयुर्वेदिक कालेज पीलीभीत से आयुर्वेदाचार्य (बी. आई. एम. एस.) की उपाधि ग्रहण कर उ. प्र. के अनेकों राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में चिकित्साधिकारी के पद पर कार्य किया, आर्यसमाज के प्रचार प्रसार में सर्वदा संलग्न रहें, जहाँ रहते थे वहाँ आर्यसमाज की स्थापना करके वेदों का प्रचार शुरू कर दिया करते थे, आप चलता–फिरता आर्यसमाज थे, आयुर्वेद के साथ आप वेदों के प्रकाण्ड विद्वान् थे ,सेवानिवृत्त के बाद वेदों पर व्यख्यान के द्वारा वर्षो प्रचार किया था। देश के कोने–कोने में आर्यसमाज के माध्यम से सैंकड़ों लोगों को श्रेष्ठतम बना दिया। बरेली के आर्यसमाज के गौरवमयी इतिहास में आपका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखने योग्य है। विशेष बात यह थी कि प्रकाण्ड विदुषी वेदभारती डॉ. सावित्री देवी शर्मा वेदाचार्या आपकी पत्नी थी।

आर्योदय को प्रतिष्ठित करने वाले प्रमुख आर्यविभूतियाँ

महर्षि दयानन्द के बरेली पदार्पण के बाद स्थानीय लोगों में अद्भुत उत्साह देखने को मिला, बरेली के लोगों में कुछ प्रमुख ऐसी विभूतियां थी जिन्होनें सर्वस्व समर्पित पर वेदों के प्रचार को आगे बढ़ाने में अपूर्व योगदान दिया–

(1) डॉ. सत्यस्वरूप जी– आप पेशे से सुप्रसिद्ध चिकित्सक थे, आप आर्यसमाज बिहारीपुर व आर्यसमाज अनाथालय के प्रधान रहे तथा विद्यार्य सभा की स्थापना करके पांच शैक्षिक संस्थाओं की स्थापित कि थी जो आज भी यथावत चल रही है। कर्मठ लगनशील व वैदिक सिद्धान्तों के दृढ़ व्यक्तित्व थे। बरेली नगर के लिये शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय

कार्य किया था।

(2) **समाजसेवी कु. सत्यभामा जी–** आपने वैदिक विचारों का जीवन में आत्मसात किया था ,आर्य स्त्री समाज की स्थापना की थी, बालिकाओं की शिक्षा के लिये स्त्री सुधार विद्यालय की स्थापना व प्रथम प्रधानाचार्या थी, स्त्री शिक्षा में आपका अपूर्व योगदान था, कर्मठ समाज सेवी थी, स्त्रियों के उत्थान व वेदों के पढ़ने–पढ़ाने के लिये सर्वदा तत्पर रहती थी, उनके द्वारा स्थापित स्त्री आर्यसमाज आज भी गतिशील है ।

(3) **वैद्य भद्रगुप्त जी डाबर वाले–** आप कर्मठ समर्पित व्यक्तित्व थे, आर्यसमाज बिहारीपुर व अनाथालय के प्रधान रहे, आपके समय में आर्यसमाज प्रगतिशील होता चला ,विभिन्न व्याधियों से आर्यसमाज व अनाथालय को बचाने में आपका अपूर्व योगदान था, आप सुयोग्य वैद्य व डाबर की ऐजेन्सी चलाते थे जो आज भी सुन्दरता से प्रगतिशील है। आपके पुत्र तेजगुप्त जी ने उनके कार्यों को गति दे रहे हैं।

(4) **श्री जगदीशशरण आर्य तोपखाने वाले–** आर्यसमाज व अनाथालय के आप प्रधान रहे थे, महर्षि दयानन्द के वैदिक विचारों को प्रचार–प्रसार का घर–घर जाकर अमूल्य कार्य किया, शुद्धि के कार्य में भी आपका योगदान रहा। आपका पूरा परिवार आर्य विचारों से ओतप्रोत था। आपकी पौत्रवधु आर्य स्त्री समाज की कोषाध्यक्ष उमा अग्रवाल है।

(5) **आचार्य अशरफीलाल आर्य–** आप आर्यसमाज बिहारीपुर के कर्मठ कार्यकर्त्ता थे, आप मंत्री व प्रधान भी रहे व महत्त्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन भी किया था, के. डी. ई. एम. इन्टर कॉलेज में प्रवक्ता के पर पर कार्यरत थे व आर्य विद्वान् थे।

(6) **आचार्य सतीश चन्द्र शास्त्री–** संस्कृत व वैदिक साहित्य के अद्भुत विद्वान् थे, आप दूर–दूर तक आर्यसमाज के मंचों से वैदिक ज्ञान पर उपदेश प्रदान करते थे, आर्यसमाज भूड के प्रधान भी रह चुके थे तथा आर्यसमाज भूड के विकास के लिये विभिन्न दायित्वों का निर्वहन भी किया था, आप के. डी. ई. एम. इन्टर कॉलेज में संस्कृत के प्रवक्ता से सेवानिवृत्त हुये, लेखक, विचारक, चिन्तन व समाज सुधारक भी थे।

(7) **श्रीकृष्ण आर्य–** आर्यसमाज के प्रचार प्रसार में आपका अपूर्व योगदान था, आर्यसमाज जगतपुर की स्थापना से लेकर उसके प्रधान रहे ,बाद में जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के वर्षो प्रधान रहे थे, ग्रामीण अंचल में आर्यसमाजों की स्थापना व उनके उत्थान मे अनुकरणीय योगदान था, शुद्धि के कार्य में निर्भिकता से कार्य किया था, मानवीय मूल्यों के उत्थान व प्रगति से सदा चिन्तित रहते थे, ऐसा समर्पित व्यक्तित्व देखने को नहीं मिलेगा। आप आर्य समाज जगतपुर के संस्थापक सदस्य व प्रधान भी थे, आपके पुत्र हर्षवर्धन आर्य भी जिला सभा के वर्षों प्रधान रहे थे और आज भी सकिय हैं तथा भाजाया ब्रजक्षेत्र के उपाध्यक्ष है।

(8) **श्री फतेहबहादुर एडवोकेट–** आर्यसमाज बिहारीपुर व अनाथालय के सक्रिय सदस्य थे। आपने वैदिक सिद्धांतों के प्रचार का अनुपम कार्य किया था, अनाथालय के माध्यम से अनाथ असहाय बच्चों की सेवा में तल्लीन रहते थे,बरेली के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता थे।

शेष भाग अगले अंक में....

॥ ओ३म् ॥

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयन्ती
एवं
स्व. श्री छोटू सिंह आर्य की जयन्ती के अवसर पर दो वर्षीय आयोजनों के क्रम में

आर्य कन्या विद्यालय समिति के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्री छोटू सिंह आर्य की जयन्ती के अवसर पर चार दिवसीय कार्यक्रम दिनांक 10 अगस्त 2023 से 13 अगस्त 2023 तक श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता, प्रधान, आर्य कन्या विद्यालय समिति, अलवर के नेतृत्व में

आयोजित कार्यक्रम

10 अगस्त 2023	:	वृक्षारोपण, आर्य महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मालवीय नगर, अलवर समय प्रातः 11 बजे
11 अगस्त 2023	:	प्रतिभा सम्मान समारोह, आर्य कन्या विद्यालय समिति के अन्तर्गत चल रही संस्थाओं में कक्षा दसवीं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को विशेष पुरस्कार। श्री छोटू सिंह आर्य धर्मार्थ समिति अलवर की ओर से स्थान : आर्य बा.उ.मा.वि., स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर समय : प्रातः 11 बजे
12 अगस्त 2023	:	नारी सशक्तीकरण एवं देशभक्ति गीत स्थान : आर्य बा.उ.मा.वि., स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर एवं शहीद स्मारक समय प्रातः 11 बजे
13 अगस्त 2023	:	यज्ञ एवं श्रद्धाजंली प्रातः 07:30 बजे 144वॉं निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर थायराइड, शुगर, नेत्र रोग, एलोपैथी, होम्योपैथी एवं एक्यूप्रेशर श्री छोटू सिंह आर्य धर्मार्थ समिति अलवर की ओर से। समय : प्रात 09:30 बजे से 12:00 बजे तक स्थान : आर्य समाज स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर

– निवेदक –

आर्य समाज, आर्य कन्या विद्यालय समिति, श्री छोटू सिंह आर्य धर्मार्थ समिति एवं श्री रामजीलाल आर्य कन्या छात्रावास, अलवर

1. अभिनन्दन समारोह– चार सौ से अधिक पुस्तकों के लेखक, अनुवादक, सम्पादक, 70 (सत्तर) वर्षों से वैदिकधर्म व आर्यसमाज के प्रचार के लिए निरन्तर लेखनी चलाने वाले, 'तहरीर व तकरीर का कार्य कभी बन्द नही होना चाहिए' अमर हुतात्मा पन्डित लेखराम जी के इस आदेश को 93 (तिरानवें) वे वर्ष में भी चरितार्थ करने वाले, आर्यसमाज के महाधन पूज्य प्रा. राजेन्द्र जी जिज्ञासु – अबोहर का अभिनन्दन कर आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय आबूपर्वत व आर्य परिवार शिवगंज धन्य हुए।

स्व. वानप्रस्थी श्री भीष्मदेव जी आर्य एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती ओटीबाई जी की पुण्य स्मृति में आर्य परिवार शिवगंज के आर्थिक सौजन्य से आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय आबूपर्वत के 33वें वार्षिकोत्सव दो महानुभावों पूज्य राजेन्द्र जी जिज्ञासु एवं 94 (चौरानवे) वर्षीय पूज्य भूपेन्द्रसिंह जी भजनोपदेशक का अभिनन्दन कर इक्यावन हजार रुपये की सम्मान राशि समर्पित करने का शुभ संकल्प किया गया था।

पण्डित भूपेन्द्रसिंह जी गुरुकुल के वार्षिकोत्सव पर पधारे थे, तब उनका अभिनन्दन कर सम्मान राशि सादर समर्पित कर दी थी, किन्तु स्वास्थ्य कारणों से पूज्य प्रा. राजेन्द्र जी जिज्ञासु गुरुकुल के उत्सव पर पधार नही सके थे।

एतदर्थ दिनांक 8 जुलाई 2023 को गुरुकुल न्यास के अध्यक्ष आचार्य ओम्प्रकाश आर्य, परोपकारिणी सभा के युवा सदस्य लक्ष्मण जिज्ञासु एवं पण्डित लेखराम वैदिक मिशन के गौरव आर्य, लोमश आर्य ने पूज्य राजेन्द्र जी जिज्ञासु के घर अबोहर, पंजाब जाकर उनका अभिन्दन कर सम्मान राशि समर्पित करके उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

लगभग पांच घन्टों तक उनके अनुभवों व उपदेशों से वैदिकधर्म व आर्यसमाज के प्रचार हेतु नई ऊर्जा व प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त किया।

5. पुस्तक का विमोचन– दिनांक 27 जुलाई 2023 को महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास जोधपुर की यज्ञ शाला में आर्य रामप्रकाश

जी शर्मा द्वारा प्रकाशित धार्मिक पुस्तक ""आर्य समाज क्या है"" ""जाने आर्य समाज को"" का विमोचन स्वामी श्रद्धानंद जी व स्वामी अग्निवृत जी–भिनमाल के कर कमलों से किया गया और स्मृति भवन में चल रहे राजकीय उपाचार्य संवाद कार्यशाला में उपस्थित 400 शिक्षकों को भेंट की गई व पुस्तक के बारे में बताया गया, पुस्तक प्रकाशन में सहयोग करने वाले रामप्रकाश जी शर्मा के परिवार को धन्यवाद दिया गया। रामप्रकाश जी शर्मा के पिताजी वैदिक सिद्धांतों को मानने वाले और उस पर चलने वाले थे। उनका पूरा परिवार उन्ही का मार्गदर्शन कर रहा है। स्मृति भवन न्यास के सभी सदस्यों को इन पर गर्व है, इनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं, रामप्रकाश जी द्वारा वैदिक धर्म के प्रचार–प्रसार में हमेशा सहयोग करते है।

6. आर्य वीर दल राजस्थान की कार्यकारिणी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आर्य समाज पीछोली उदयपुर में आयोजित की गई बैठक में सर्वसम्मति से निम्न विषयों पर चर्चा कर निर्णय किया गया।

पहला– 23–24 सितंबर को आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के तत्वावधान में आयोजित आर्य महासम्मेलन में आर्य वीर दल के 1000 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रखने, 23 सितंबर को सायंकाल 4 से 6 तक व्यायाम प्रदर्शन एवं सभी आर्य वीरों के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के द्वारा गणवेश की व्यवस्था की जाएगी।

दूसरा– नैतिक शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन पूरे राजस्थान में किया जाएगा, जिसमें 10.000 बच्चों के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में अनेकों प्रतिभागियों ने स्वयं परीक्षा करवाने का निर्णय लिया गया।

तीसरा– आगामी शीतकालीन अवकाश में 24 से 30 दिसंबर 2023 तक प्रांतीय शिविर आर्य समाज पाणिनि नगर जोधपुर में आयोजित करने का प्रस्ताव लिया।

चौथा– राजस्थान में प्रचारकों के प्रवास की व्यवस्था की गई।

पाँचवाँ– श्री मनोज जी आर्य के नेतृत्व में उदयपुर क्षेत्र के गांव में एक हजार आर्य वीर तैयार करने का लक्ष्य रखा गया।

आर्य वीर दल की बैठक को आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री श्री जीव वर्धन जी शास्त्री, आचार्य ओम प्रकाश जी, श्री अशोक जी आर्य नौलखा महल आदि ने संबोधित किया।

कार्यालय सूचना एवं निर्देश

समस्त आर्य समाज अपने भवन पर ओ३म् ध्वजा अनिवार्य रूप से फहरायें एवं प्रवेश द्वार पर ''**आर्य समाज**'' इस प्रकार नाम अवश्य अंकित करवायें। यथा समय आर्य समाज भवन, मुख्यद्वार, परिसर की बाउन्ड्री वॉल की मरम्मत, रंग आदि करवायें। आर्य समाज की सम्पत्तियों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व सम्बन्धित आर्य समाज के पदाधिकारियों का है। प्रतिनिधि सभा द्वारा कभी भी आर्य समाज का निरीक्षण किया जा सकता है।

– **सभा कार्यालय**

अग्निः पूर्वेभिर्ऋषिभिरीड्यो नूतनैरुत।

स देवाँ एह वक्षति।।

आर्य महासम्मेलन में आमन्त्रित प्रमुख अतिथिगण

समाज – प्रतिनिधि

1. योगगुरु पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज – हरिद्वार
2. डॉ. रमेश गुप्ता जी – अमेरिका
3. पद्मश्री डॉ. सुकामा जी – रोहतक

शासन – प्रतिनिधि

4. महामहिम राज्यपाल (राजस्थान) – श्री कलराज मिश्र
5. महामहिम राज्यपाल (गुजरात) – आचार्य श्री देवव्रत आर्य
6. महामहिम पूर्व राज्यपाल (सिक्किम) – श्री गंगा प्रसाद

आर्य मार्तण्ड के अगले अंक में सभी माननीय अतिथियों का विवरण प्रकाशित होगा, अभी अनेक ट्रस्टियों व महानहस्तियों से सम्पर्क किया जा रहा है

छद्म सभा एवं बैठकों से सावधान रहने हेतु सूचना

अभी हाल ही में पुनः 9 जुलाई 2023 दिनांकित एक पत्र जारी कर रविशंकर गुप्ता द्वारा आर्य प्रतिनिधि सभा की छद्म एवं अवैध आम सभा की बैठक की सूचना प्रसारित कर आर्य सभासदों को गुमराह करने एवं ठगने का दुष्कृत्य किया है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता है।

राजस्थान प्रदेश का कोई भी आर्य समाज इन्हें मानचित्र सुपुर्द नहीं करें। समस्त मानचित्र सभा कार्यालय राजापार्क के पते पर ही प्रेषित किए जायें। आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का कोई कैंप नहीं है अतः कैंप कार्यालय कैसे हो सकता है।

फर्जीवाड़ा करने के कारण इन लोगों पर पूर्व में भी पुलिस में एफ. आई. आर. दर्ज हो चुकी है जिसकी जॉच प्रक्रियाधीन है। सभा के नाम से फर्जी पत्र प्रसारित करने वाले रविशंकर गुप्ता को आर्य सभासदों ने निर्वाचन में बुरी तरह पराजित किया था किन्तु पदलोलुप यह व्यक्ति अवैध गतिविधियों में निरन्तर संलिप्त है। अतः इनसे पुनः पुनः सावधान रहने की आवश्यकता है।

इन फर्जीकारी करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि–

– सभा कार्यालय का संचालन कौन कर रहा है ?

– सभा की पत्रिका श्आर्य मार्तण्डश का प्रकाशन कौन कर रहा है?

– सभा के बैंक खातों का संचालन कौन कर रहा है ?

– सभा की ऑडिट एवं रिटर्न फाइल कौन कर रहा है ?

– रजिस्ट्रार संस्थाएं , राजस्थान सरकार द्वारा किस कार्यकारिणी को मान्यता प्राप्त है ?

– सभा के कोषाध्यक्ष का नाम किस कार्यकारिणी में सरकार द्वारा अनुमोदित है ?

– कमिश्नर पुलिस जयपुर कार्यालय द्वारा किस कार्यकारिणी को प्रामाणिक स्वीकार कर श्आर्य मार्तण्डश के प्रकाशन की स्वीकृति प्रदान की है?

– आगामी सितंबर माह में किन के द्वारा विशाल आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है ?

उक्त समस्त प्रश्नों का उत्तर एक ही है कि आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान– आर्य किशनलाल गहलोत, मंत्री– श्री जीव वर्धन शास्त्री, कोषाध्यक्ष– श्री जयसिंह गहलोत, समस्त कार्यकारिणी के सदस्य एवं समस्त आर्य सभासद।

उक्त कार्यकारिणी ही वैध है इन्हीं के निर्देशों की पालना आर्य समाज के हित में की जानी चाहिए।

जीव वर्धन शास्त्री– मन्त्री

अपील

राजस्थान के सभी आर्य समाजों के मंत्री व प्रधानों से निवेदन है कि वे कम से कम 10 –10 आर्य मार्तंड के ग्राहक बनाएं। ग्राहक शुल्क मात्र 100/– वार्षिक है।

– जीववर्धन शास्त्री मंत्री–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर।

This document was created with the Win2PDF “print to PDF” printer available at
http://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

http://www.win2pdf.com/purchase/

सभा आपके द्वारे अभियान के अन्तर्गत.
पीले चावल देकर किया जा रहा है आमंत्रित ।

महर्षि दयानंद सरस्वती निर्वाण स्मारक न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. श्रीगोपाल बाहेती ने ओम् पताका दिखाकर प्रस्थान कराया । भिनाय की कोठी, अजमेर से आरम्भ हुई आर्य सम्पर्क यात्रा । न्यौता देने निकले आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के वेदप्रचार अधिष्ठाता डॉ मोक्षराज, कोषाध्यक्ष जयसिंह गहलोत, अजमेर संभाग उपाध्यक्ष अशोक आर्य एवं पूज्य यशमुनि वानप्रस्थी

परबतसर, नागौर में पूज्य यशमुनि वानप्रस्थी जी को पीले चावल देते हुए अशोक आर्य

आर्यसमाज मेड़ता सिटी, नागौर के कोषाध्यक्ष श्री रामावतार शर्मा को पीले चावल देते हुए

आर्यसमाज चोलियास, नागौर के प्रधान रमजीराम जी को निमंत्रण पत्र देते हुए

आर्यसमाज दुजार के प्रधान बीरमाराम जी को पीले चावल देते हुए अशोक आर्य

नींबी खुर्द, नागौर में एक आर्यकन्या को निमंत्रण पत्र देते हुए

आर्यसमाज कुचेरा, नागौर के प्रधान रामेश्वर जी को निमंत्रण पत्र देते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के कोषाध्यक्ष जयसिंह गहलोत एवं उप प्रधान अशोक आर्य

डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/214/2023-25 आर. एन. आई नं.10471/60

राज्यपाल से मिला शिष्टमंडल

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्म की दूसरी शताब्दी के उपलक्ष्य में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान द्वारा 23-24 सितम्बर को प्रान्त स्तरीय आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए एक आर्य शिष्ट मंडल ने राजभवन जाकर राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से भेंट की। आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रवक्ता एवं भारतीय संस्कृति शिक्षक डॉ. मोक्षराज ने बताया कि इस अवसर पर शिष्टमंडल ने स्वस्तिवाचक मंत्रों का उच्चारण कर राज्यपाल का अभिनंदन किया तथा सभा के मंत्री जीव वर्धन शास्त्री ने मंत्र पट्टिका पहनाई एवं सभा प्रधान किशन लाल गहलोत एवं डॉ. सुधीर शर्मा ने महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा लिखा अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश भेंट किया।

प्रेषकः-

सम्पादक
आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
राजा पार्क, जयपुर-302004

प्रेषित